यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

UKPSC/UKSSSC

उत्तराखण्ड

सामान्य अध्ययन

■ उत्तराखण्ड का इतिहास एवं संस्कृति, ■ उत्तराखण्ड का भूगोल, ■ उत्तराखण्ड की राजव्यवस्था, ■ उत्तराखण्ड आर्थिक एवं सामाजिक विकास, ■ उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधन और राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन आदि में उनका योगदान इत्यादि

अध्यायवार सॉल्वड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

Anand K. Mahajan

लेखन सहयोग

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, आशीष गिरि

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने लक्ष्मीनारायन प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

₹ 495/-

विषय-सूची

❐ उत्तराखण्ड का इतिहास एवं संस्कृति 9-104

- प्रागैतिहासिक काल एवं ऐतिहासिक कला 9
- उत्तराखण्ड की प्राचीन जनजातियाँ 12
- कुणिन्द एवं यौधेय 15
- कार्तिकेयपुर राजवंश 16
- कत्यूरी राजवंश 19
- गढ़वाल का परमार राजवंश; कुमाऊँ का चंद राजवंश 22
- गोरखा आक्रमण एवं शासन 35
- ब्रिटिश शासन 38
- टिहरी रियासत 44
- उत्तराखण्ड में स्वतंत्रता संघर्ष-1857 एवं उत्तराखण्ड, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में उत्तराखण्ड का योगदान 49
- उत्तराखण्ड के आन्दोलन कला एवं संस्कृति, त्यौहार एवं मेले, उत्सव 66
- संबंधित अन्य पहलू 87

❐ उत्तराखण्ड का भूगोल 105-187

- भौगोलिक अवस्थिति 105
- भू- आकृति एवं संरचना 113
- जलवायु एवं वन एवं वनस्पति 119
- जल प्रवाह तन्त्र/नदी परियोजनाएँ 126
- सिंचाई 137
- मुख्य नगर 138
- पर्यटन स्थल/महोत्सव/विरासत/संस्कृति 140
- जनसंख्या 160
- अनुसूचित जाति एवं जनजातियाँ 166
- परिवहन तन्त्र 171
- ऊर्जा संसाधन, औद्योगिक विकास एवं खनिज 173
- प्राकृतिक आपदाएं 176
- सम्बन्धित अन्य पहलू। 178

❐ उत्तराखण्ड की राजव्यवस्था 188-211

- शासन प्रणाली 188
- राज्यपाल, विधायिका, मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद 192
- लोक सेवाएं, लोक सेवा आयोग एवं लेखा परीक्षक 197
- राज्य महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र 197
- अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित प्रविधान 198
- राज भाषा, विशेष राज्य के चयन के मापदण्ड 199
- राजनैतिक दल एवं निर्वाचन 200
- स्थानीय शासन एवं पंचायती राज 200
- सामुदायिक विकास, लोकनीति अधिकार सम्बन्धित मुद्दे (शिक्षा, रोजगार, विकास आदि) 202
- सुशासन (भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेस) सूचना का अधिकार, समाधान योजना आदि) 206
- सम्बन्धित अन्य पहलू 208

❐ उत्तराखण्ड आर्थिक एवं सामाजिक विकास 212-230

- अर्थव्यवस्था एवं बजट की मुख्य विशेषताएं 212
- व्यापार, वाणिज्य उद्योग एवं सेवाएँ 213
- योजनाएं एवं परियोजनाएं 218
- कृषि, पशुधन एवं खाद्यान्न सुरक्षा 223
- लोकवित्त एवं राजकोषीय नीति 227
- जड़ी-बूटी एवं संस्कृति का आर्थिक विकास में योगदान 228
- अन्य सम्बन्धित पहलू 229

❐ उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधन और राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन आदि में उनका योगदान इत्यादि 231-233

- पर्यावरण 231
- मानवाधिकार 233
- शास्त्रों का होड़ 233

❐ विविध 234-256

UKPSC/UKSSSC के पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

क्र. सं.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा वर्ष	प्रश्नों की संख्या
1.	UK SSSC ADO 16-11-2025	15
2.	UK SSSC Police Canstebal 03-08-2025	15
3.	UK SSSC Van Daroga 22-06-2025	15
4.	UK SSSC Patvari & VDO 21-09-2025	15
5.	UK SSSC Havaldar 2024	15
6.	UK SSSC Assistant Accountant 2024	15
7.	UK SSSC Canning 2024	15
8.	UK SSSC Stenographer 08-12-2024	15
9.	Junior Assistant Exam_19_Jan_2025	15
10.	UKSSSC Stenographer Personal Assistant Official Paper (Held On_ 08 Dec, 2024)	15
11.	UKSSSC Scalar Exam 25/08/2024	15
12.	Village Development Officer 21-10-2012, 09-07-2023	20
13.	UKSSSC आबकारी 30 जून 2023	15
14.	UKSSSC EO GS 2023	15
15.	UKSSSC Forest Guard Officer 09/04/2023	15
16.	Forest Guard - 102, DOE-14-Feb-2021	15
17.	UKSSSC छात्रावास अधिकक्षक, ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य 04-12-2021 (Shift-I)	15
18.	UKSSSC Graduate Level Exam 05/12/2021 Shift-II	15
19.	UKSSSC Graduate Level Exam 05/12/2021 Shift-III	15
20.	UKSSSC Lecturer Teacher General 08/08/2021 Shift-I	15
21.	UKSSSC Lecturer Teacher General & Physical Education 08/08/2021 Shift-I	15
22.	UKSSSC Lecturer Teacher (Science) 08/08/2021 Shift-II	15
23.	UKSSSC Lecturer Teacher (Assistant Teacher) Urdu 08/08/2021 Shift-II	15
24.	UKSSSC Lecturer Teacher (Hindi) 08/08/2021 Shift-I	15
25.	UKSSSC Lecturer Teacher (Home Science) 08/08/2021 Shift-II	15
26.	UKSSSC Lecturer Teacher (Maths) 08/08/2021 Shift-II	15
27.	UKSSSC Lecturer Teacher (Kala) 08/08/2021 Shift-II	15
28.	UKSSSC वन आरक्षी 14/02/2021 Shift-I	15
29.	UKSSSC कनिष्क अभियंता (सिविल) Shift-II	15
30.	UKSSSC एस. आई. 21/02/2021 Shift-I	15
31.	UKSSSC एस. आई. 21/02/2021 Shift-II	15
32.	UKSSSC प्रवर्तन सिपाही/आबकारी सिपाही 10/01/2021	15
33.	UKSSSC AE (Electrical) Trainee 10/01/2021 Shift-I	15
34.	UKSSSC रक्षक (सचिवालय सुरक्षा) 26/09/2021 Shift-I	15
35.	UKSSSC Inter Collage G.S. Paper 2021	15
36.	UKSSSC DEO Junior Assistant Tax Collector Peshkar 31/10/2021 Shift-I	15
37.	UKSSSC DEO Junior Assistant Tax Collector Peshkar 31/10/2021 Shift-II	15
38.	Forest Guard Recruitment Exam Shift-I, 16-02-2020	15
39.	Forest Guard Recruitment Exam Shift-II, 16-02-2020	15
40.	UKSSSC कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) Shift-II 20/12/2020	15
41.	UKSSSC कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) Shift-I 20/12/2020	15
42.	UKSSSC एल.टी. (विज्ञान) 21/01/2020	15
43.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 21/12/2020 Shift-I	15
44.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 21/12/2020 Shift-II	15
45.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 22/12/2020 Shift-I	15

46.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 22/12/2020 Shift-II	15
47.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 23/12/2020 Shift-I	15
48.	UKSSSC पशुधन प्रसार अधिकारी 23/12/2020 Shift-II	15
49.	UKSSSC सहायक लेखाकार पंतनगर 29/11/2020	15
50.	High Court Junior Assistant Exam 01-12-2019	15
51.	Assistant Review Officer (ARO) Exam 29-12-2019	15
52.	UKSSSC इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक 16/06/2019	20
53.	UKSSSC प्रशिक्षण अधिकारी/शोध अधिकारी 19/05/2019	15
54.	UKSSSC पर्यवेक्षक (बेकरी) कन्फैक्शनरी 19/05/2019	15
55.	UKSSSC केमिस्ट 19/05/2019	15
56.	UKSSSC प्रयोगशाला सहायक 19/05/2019	15
57.	UKSSSC सहायक लेखाकार 19/05/2019	15
58.	UKSSSC डेन्टल हाइजीनिस्ट 19/05/2019	15
59.	UKSSSC क्रीड़ा सहायक 19/05/2019	15
60.	UKSSSC मैकेनिक, टायर निरीक्षक, सहायक भण्डारपाल 19/05/2019	15
61.	UKSSSC तबला वादक 19/05/2019	15
62.	UKSSSC सहकारी निरीक्षक वर्ग-2/ सहायक विकास अधिकारी 19/06/2019	15
63.	UKSSSC सहायक भण्डारपाल, वैज्ञानिक सहायक 28/06/2019	15
64.	UKSSSC मशीन सहायक ऑफसेट 09/09/2019	15
65.	UKSSSC प्रयोगशाला, फार्मेसी, मत्स्य निरीक्षक, निरीक्षक, (रेशम), अधिदर्शक/प्रदर्शक (रेशम) सहकारिता पर्यवेक्षक, मधु विकास निरीक्षक 28/06/2019	15
66.	UKSSSC कैटलॉगर 16/06/2019	15
67.	UKSSSC पर्यवेक्षक (पाककला/कुकरी) 16/06/2019	15
68.	UKSSSC पर्यवेक्षक कैनिंग 16/06/2019	15
69.	UKSSSC फिटर मैकेनिक 16/06/2019	15
70.	Gram Panchayat Vikas Adhikari Exam 25-02-2018	15
71.	Junior Assistant & Data Entry Operator Exam 06-05-2018	15
72.	Vidhi Sahayak Exam 20-05-2018	15
73.	Junior Assistant Exam 28-10-2018	15
74.	Assistant Social Welfare Officer Exam 25-11-2018	15
75.	UKSSSC वाहन चालक/प्रवर्तक चालक 11/04/2018	15
76.	UKSSSC सहायक लेखाकार 13/05/2018	15
77.	UKSSSC सर्वेयर 13/05/2018	15
78.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (हॉकी) 20/05/2018	15
79.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बॉक्सिंग) 20/05/2018	15
80.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (क्रिकेट) 20/05/2018	15
81.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (एथलेटिक्स) 20/05/2018	15
82.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बैंडमिंटन) 20/05/2018	15

83.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (ताइक्वांडो) 20/05/2018	15
84.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (हैंडवॉल) 20/05/2018	15
85.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (टेबल टेनिस) 20/05/2018	15
86.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (वॉलीबॉल) 20/05/2018	15
87.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (जूडो) 20/05/2018	15
88.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (तैराकी) 20/05/2018	15
89.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (कबड्डी) 20/05/2018	15
90.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (बास्केटवॉल) 20/05/2018	15
91.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (कुश्ती) 20/05/2018	15
92.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (लॉन टेनिस) 20/05/2018	15
93.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (भारोत्तोलन) 20/05/2018	15
94.	UKSSSC सहायक खेल प्रशिक्षक/सहायक खेल अध्यापक (तीरंदाजी) 20/05/2018	15
95.	UKSSSC एल.टी. कला 21/01/2018	15
96.	UKSSSC एल.टी. हिन्दी 21/01/2018	15
97.	UKSSSC एल.टी. गृह विज्ञान 21/01/2018	15
98.	UKSSSC एल.टी. संगीत 21/01/2018	15
99.	UKSSSC एल.टी. गणित 21/01/2018	15
100.	UKSSSC एल.टी. व्यायाम 21/01/2018	15
101.	UKSSSC एल.टी. संस्कृत 21/01/2018	15
102.	UKSSSC एल.टी. वाणिज्य 21/01/2018	15
103.	UKSSSC एल.टी. सामान्य 21/01/2018	15
104.	UKSSSC एल.टी. उर्दू 21/01/2018	15
105.	UKSSSC एल.टी. अंग्रेजी 21/01/2018	15
106.	UKSSSC पुस्तकालय लिपिक 22/04/2018	15
107.	UKSSSC सहायक विकास अधिकारी 28/01/2018	15
108.	UKSSSC प्रतिरूप सहायक 28/01/2018	15
109.	UKSSSC कनिष्ठ कैमरामैन/टी.वी. टेक्नीशियन 29/04/2018	15
110.	UKSSSC फोटोग्राफर (वि0वि0 प्रयोगशााला) 29/04/2018	15
111.	Storekeeper Exam 09-01-2017	15
112.	Junior Assistant or Computer Operator Exam 09-01-2017	15
113.	Sinchpal Exam 21-05-2017	15
114.	Amin Post Exam 11-06-2017	15
115.	Social Welfare Officer Exam 21-06-2017	15
116.	Cartographer or Draftman Exam 25-06-2017	15
117.	Pharmacists Recruitment Exam 06-08-2017	15
118.	State Observer Exam 12-11-2017	15
119.	UKSSSC Nalkoop Mistri 02/07/2017	15
120.	UKSSSC E.C.G. Technician 02/07/2017	15

121.	UKSSSC J.E. (Civil) 05/11/2017	15
122.	UKSSSC Computer Programmer-cum-operator 05/11/2017	15
123.	UKSSSC J.E. (I.T.) 05/11/2017	15
124.	UKSSSC सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-3 10/01/2017	15
125.	UKSSSC सहायक लेखाकार आयोग 10/01/2017	15
126.	UKSSSC अमीन 11/06/2017	15
127.	UKSSSC टैक्नीशियन ग्रेड-2 (यांत्रिक) 11/12/2017	15
128.	UKSSSC सहायक भण्डारपाल (बैकलॉग) 19/01/2017	15
129.	UKSSSC एक्स-रे टेक्नीशियन 28/05/2017	15
130.	Assistant Writer Exam Shift-I , 17-01-2016	15
131.	Assistant Writer Exam Shift-II , 17-01-2016	15
132.	Lab Assistant (Physics) Exam 17-01-2016	15
133.	Office Assistant or Computer Operator 14-02-2016	15
134.	Lab Assistant cartographer Exam 21-02-2016	15
135.	Gram Panchayat Vikas Adhikari Exam 06-03-2016	15
136.	Utarakhand Mahila Police Constable Exam 10-07-2016	15
137.	Matsy Nirikshak Exam 04-09-2016	5
138.	Utarakhand samiksha Adhikari Exam 10-09-2016	15
139.	Jail Bandi Rakshak Exam 09-10-2016	15
140.	Sahayak Ganna Parvekshak Exam 16-10-2016	15
141.	Police Dursanchar Vibhag Parichalak Exam 21-10-2016	15
142.	Utarakhand Zila Sahkari Exam 25-10-2016	15
143.	Data Entry Operator Exam 06-11-2016	15
144.	Personal Assistant Exam 06-11-2016	15
145.	Assistant Review Officer (ARO) Exam 04-12-2016	15
146.	Van Kshetradhikari (FRO) Exam 26-12-2016	15
147.	Cooperative Inspector Class Exam 17-01-2015	15
148.	Mukhya Sevika Exam 25-01-2015	15
149.	High Court Lipic, Exam - I, 08-02-2015	15
150.	High Court Stenographar Exam - II, 08-02-2015	15
151.	Sachivalay Prashasan Rakshak Exam 15-03-2015	14
152.	Pradeshik Resham Vibhag Exam 22-03-2015	15
153.	Rajkiy Paryvechak Exam 26-07-2015	15
154.	Uttrakhand Group (C) Bharti Exam 2015	15
155.	Karyalay Sahayak Exam 20-09-2015	15
156.	Forest Archhi Bharti Exam - 2015 Paper - C	15
157.	Prayogshala Sahayak (Chemistry) Exam 29-11-2015	5
158.	Prayogshala Sahayak (biology) Exam 20-12-2015	20
159.	Personnel Assistant or Picture writer Exam 25-02-2014	15
160.	Uttarakhand Police Constable Exam 19-10-2014	15
161.	Assistant Review Officer Exam 21-12-2014	20

162.	Jel Bandi Rakshak Exam 15-09-2013	15
163.	UKPSC General Hindi Pre Exam 16-02-2013	15
164.	Utarakhand High Court Exam 25-06-2012	14

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

क्र. सं.	**परीक्षा का नाम एवं परीक्षा वर्ष**	**प्रश्नों की संख्या**
1.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग प्रा. परीक्षा, 2002-2025	260
2.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा, 2002-2010	120
3.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग यू.डी.ए., एल.डी.ए. प्रा. परीक्षा, 2003-2016	45
4.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग यू.डी.ए., एल.डी.ए. मुख्य. परीक्षा, 2007-2016, 2023	20 20
5.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी प्रा. परीक्षा, 2021-2022, 2023, 2024, 2024-25, 2025	130 60
6.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लोअर सबार्डिनेट प्रा. परीक्षा, 2011-2021, 2025	60
7.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सहायक वन संरक्षक/फॉरेस्ट रेंजर प्रा. परीक्षा, 2012-2021, 2025	75
8.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अपर निजी सचिव मुख्य परीक्षा, 2017, 2021	10 15
9.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग जे. प्रा. परीक्षा, 2002-2022, 2025	130
10.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग ए.पी.ओ. प्रा. परीक्षा, 2009-2021	30
11.	उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सहायक अभियंता प्रा. परीक्षा, 2007-2021	40
12.	फॉरेस्ट गॉर्ड परीक्षा, 2022	10
13.	टैक्स एवं रेवेन्यू इंस्पेक्टर परीक्षा, 2023	20
14.	जेल वॉर्डन परीक्षा, 2022	10
15.	गर्वनमेंट पॉलिटेक्निक लेक्चरर परीक्षा, 2015	15
16.	जूनियर असिस्टेंट परीक्षा, 2022	10
17.	पटवारी लेखपाल परीक्षा 2022	10
18.	पर्सनल असिस्टेंट परीक्षा, 2019	4
19.	चीफ फायर अधिकारी परीक्षा, 2021	15
20.	पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 2021	10
21.	अधीक्षक (महिला कल्याण विभाग) परीक्षा, 2021	10
22.	व्यवस्थापक (उत्तरखण्ड लोक सेवा आयोग) परीक्षा, 2021	5
23.	डॉफ्टमैन परीक्षा, 2023	15
24.	रीजनल इंस्पेक्टर (तकनीकि) परीक्षा, 2022	15
25.	डाटा इंट्री ऑपरेटर परीक्षा, 2023	50
26.	पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा, 2024	30

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **उत्तराखण्ड सामान्य अध्ययन (इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था)** से सम्बन्धित कुल **3702** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही साथ लगभग समान प्रकृति वाले प्रश्नों का भी समावेश किया गया है ताकि प्रश्न पूछने की तकनीकि का प्रतियोगियों को लाभ मिल सके।

<u>पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक</u>
<u>पाई चार्ट एवं बार ग्राफ</u>

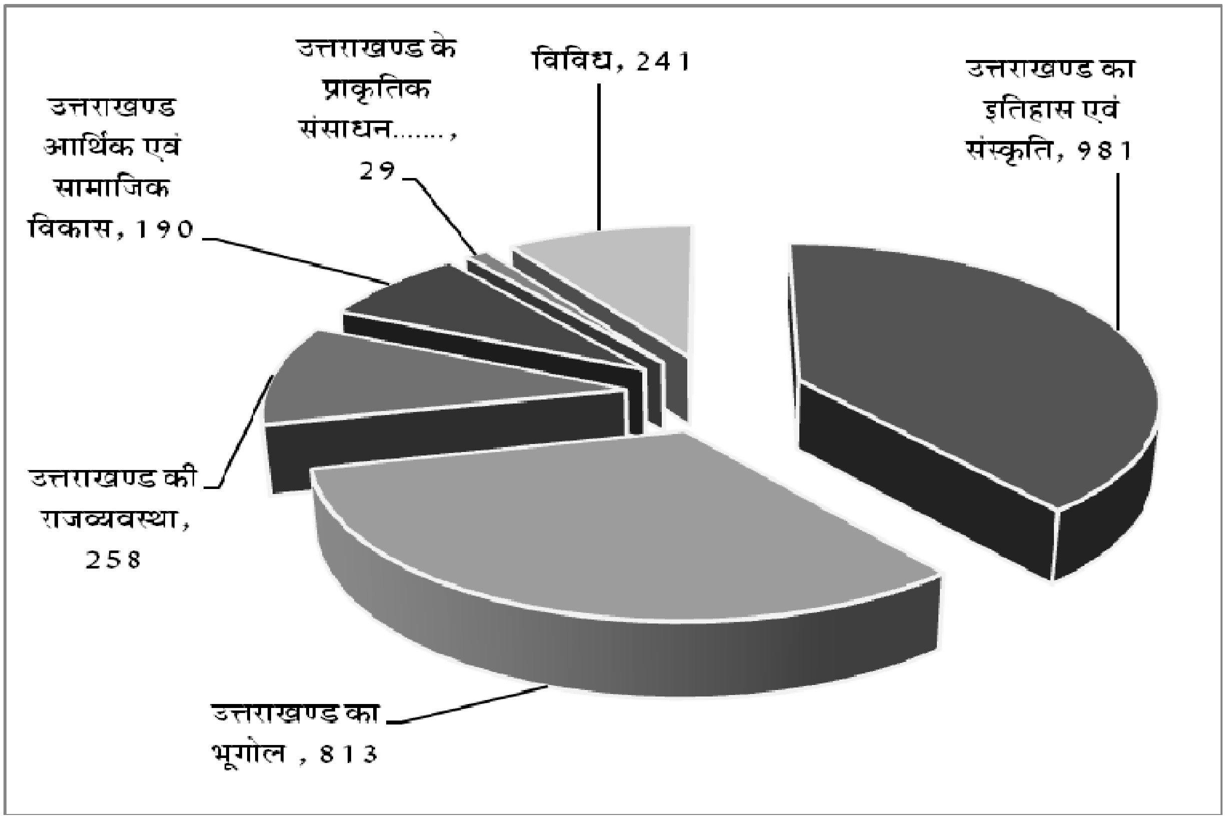

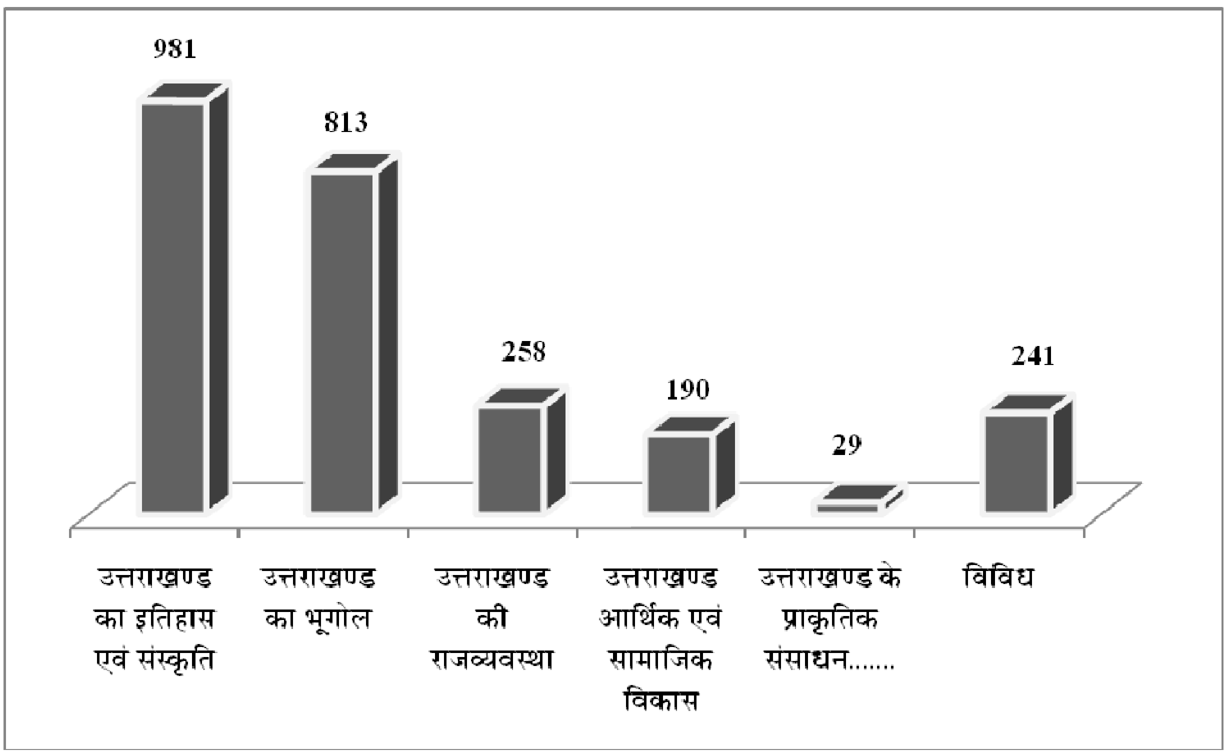

04. उत्तराखण्ड का इतिहास एवं संस्कृति

प्रागैतिहासिक काल एवं ऐतिहासिक कला

1. देवीधुरा से प्राप्त महापाषाणकालीन मानव समाधियों की खोज का श्रेय किसे जाता है?

(a) कनिंघम (b) ट्रेल
(c) शिव प्रसाद डबराल (d) हेनवुड

UK DEO Jr. Asst. TC Exam 31/10/2021

Ans. (d) : देवीधुरा से प्राप्त महापाषाणकालीन मानव समाधियों की खोज हेनवुड द्वारा 1856 में की गई थी। हेनवुड को उत्तराखण्ड में प्रागैतिहासिक काल का जनक कहा जाता है। 'महापाषाण' का तात्पर्य बड़े प्रागैतिहासिक पत्थर से है, जिसका उपयोग शवों को समाधि किये जाने वाले स्थलों या स्मारक स्थलों के रूप में किया जाता था।

2. कुमायूँ का पौराणिक नाम था–

(a) केदार खण्ड (b) रेखा खण्ड
(c) हेमवत खण्ड (d) मानस खण्ड

UKPSC UDA/LDA (Mains) 2006

Ans.(d): कुमाऊँ क्षेत्र को मानस खण्ड कहा गया है। मानस खण्ड के अन्तर्गत नन्दा पर्वत से काल गिरि तक फैला क्षेत्र सम्मिलित माना गया है। मानस खण्ड के लिए कूर्मांचल नाम भी मिलता है।

3. उत्तराखण्ड में निम्न में से किस स्थान पर प्राचीन शिलालेख मिले थे?

(a) पाण्डुकेश्वर (b) पलेठी
(c) कलसी (d) तालेश्वर

UKPSC Lower (Pre) 2021

Ans.(c): उत्तराखण्ड में कलसी से प्राचीनतम शिलालेख मिले थे। अशोक ने एक अभिलेख अपने राज्य के उत्तरी सीमा पर 257 ई.पू. में कलसी (देहरादून के टोंस और यमुना के संगम पर) स्थापित कराया था। यह लेख प्राकृत भाषा तथा ब्राह्मी लिपि में है।

4. अल्मोड़ा नगर के 'फलसीमा' नामक गांव का संबंध किससे है?

(a) चित्रित शिलाश्रय (b) ताम्रपत्र
(c) सिक्कों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UK Police Constable Exam- 03.08.2025

Ans. (a) : अल्मोड़ा नगर के 'फलसीमा' का संबंध चित्रित शिलाश्रयों से है, जहाँ पर प्रागैतिहासिक मानव द्वारा चित्रकारी की गई थी। इन चट्टानों पर लाल, काले या सफेद रंगों से मानव आकृतियाँ, पशु-पक्षियों की रूपरेखाएँ तथा दैनिक जीवन से जुड़े प्रतीकात्मक चित्र उकेरे गए है।

5. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित है?

	शैलाश्रय चित्र स्थल		जनपद
(a)	कालामाटी	–	चम्पावत
(b)	किमनीग्राम	–	उत्तरकाशी
(c)	फडकानौली	–	चमोली
(d)	मल्ला पैनाली	–	अल्मोड़ा

UK PSC (Pre) 2024

Ans. (d) : सही सुमेलन है-

शैलाश्रय चित्र स्थल	जनपद
कालामाटी	अल्मोड़ा
किमनीग्राम	चमोली
फडकानौली	अल्मोड़ा
मल्ला पैनाली	अल्मोड़ा

6. उत्तरकाशी का ऐतिहासिक नाम है–

(a) सौम्य काशी (b) श्रीक्षेत्र
(c) गंगोत्री (d) बाड़ाहाट

UKPSC Jail Warden 2022
UKPSC (Mains) 2010-11
UKPSC UDA/LDA (Pre) 2016

Ans.(d): उत्तरकाशी का ऐतिहासिक नाम बाड़ाहाट था। यह भागीरथी नदी पर स्थित है और हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान के रूप में पूजनीय है।

7. 'गोरखा उड्यार' शैलाश्रय कहाँ स्थित है?

(a) डुंगरी (चमोली) (b) कालसी (देहरादून)
(c) किमनी (चमोली) (d) फलसीमा (अल्मोड़ा)

UK PSC DEO Exam- 2023

Ans.(a): चमोली जिले में अलकनंदा घाटी में डुंगरी गाँव के पास स्थित गोरखा उड्यार में, बारहसिंगा, मानव, भेड़ आदि के रंगीन चित्र प्राप्त होते हैं।

8. प्राचीन शैलचित्रों वाली 'लखू गुफा' (LakhuCave) स्थित है–

(a) चमोली जिले में (b) नैनीताल जिले में
(c) हरिद्वार जिले में (d) अल्मोड़ा जिले में

UKPSC UDA/LDA (Pre) 2016
UK RO Exam 10/09/2016
UKPSC (Pre.) 2004-05

Ans.(d): प्रदेश में सर्वप्रथम 1968 में डा. एम.पी. जोशी द्वारा अल्मोड़ा शहर से लगभग 15 किमी. की दूरी पर सूयाल नदी तट पर स्थित लखु या लाखु उड्यार गुफा की खोज की गई। यहाँ सामूहिक नृत्य करते आदिवासियों का एक समूह व कुछ पशु पक्षियों के चित्र अंकित हैं। यहाँ के चित्रों को सफेद, गुलाबी व काले रंगों से सजाया गया है।

9. उत्तराखण्ड के किस जनपद में ऐतिहासिक 'एक हथियार नौला' स्थित है?

(a) अल्मोड़ा (b) चंपावत
(c) चमोली (d) बागेश्वर

UK PSC DEO Exam- 2023

Ans.(b): उत्तराखण्ड के चम्पावत जिले में ऐतिहासिक 'एक हथियार नौला' स्थित है। एक हथियार नौला एक पत्थर की संरचना है, जिस पर जटिल पत्थर की नक्काशी की गई है। माना जाता है कि चंद राजाओं का राजमहल व कुमाऊं की स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध बालेश्वर मन्दिर का निर्माण करने वाले मिस्त्री जगन्नाथ का एक हाथ चन्द राजाओं ने कटवा दिया था ताकि बालेश्वर सा निर्माण दोबारा न हो सकें। लेकिन एक हाथ कट जाने के बाद भी जगन्नाथ ने अपनी कला को जिन्दा रखा और अपनी पुत्री की सहायता से जंगल में पानी के जल के स्रोत की नौले का भव्यतम रूप दिया।

10. निम्नलिखित में से कौन सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है?

प्राचीन स्थल	जिला
(a) लाखामंडल	देहरादून
(b) पांडुकेश्वर	चमोली
(c) गोविषान	उधमसिंह नगर
(d) बैजनाथ	पिथौरागढ़

UKPSC Lower 11/05/2025

Ans. (d) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

प्राचीन स्थल	जिला
लाखामंडल	देहरादून
पांडुकेश्वर	चमोली
गोविषान	उधमसिंह नगर
बैजनाथ	बागेश्वर

11. निम्नलिखित स्थलों में से किससे 'नीले रंग के शैल चित्र' प्राप्त हुए हैं?

(a) कसार देवी (अल्मोड़ा) (b) फलसीमा (अल्मोड़ा)
(c) बनकोट (पिथौरागढ़) (d) हुडोली (उत्तरकाशी)

UKPSC RO/ARO 04/05/2025

Ans. (d) : उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले के 'हुडोली' से 'नीले रंग का शैल चित्र' प्राप्त हुआ था। यह स्थल प्रागैतिहासिक कला और संस्कृति से संबंधित है।

12. उत्तरकाशी के शक्ति त्रिशूल में दो स्थानों पर कौन-सी लिपी में लिखा गया है–

(a) देवनागरी लिपि (b) खरोष्ठी लिपि ने
(c) शंख लिपि (d) पाली लिपि ने

UK High Court Clerk 01/12/2019

Ans. (c) : उत्तरकाशी के शक्ति त्रिशूल में दो स्थानों पर शंख लिपि में लिखी गई है। यह प्राचीन शक्ति मंदिर के नाम से जाना जाता है। इसमें माँ दुर्गा का मन्दिर है।

13. गढ़वाल स्थित ''मलारी'' किस संस्कृति से संबंधित है?

(a) ताम्र निधि संस्कृति (b) महापाषाणीय शवाधान
(c) मध्यपाषाण संस्कृति (d) चित्रित धूसर मृदभांड

UKSSSC VDO 09/07/2023

Ans. (b) : गढ़वाल स्थित 'मलारी' महापाषाणीय शवाधान संस्कृति से संबंधित है। महापाषाणीय शवाधान स्थल मेगालिथिक या एंथ्रोपोमोर्फिक स्थल कहलाते हैं। इन स्थलों पर बड़े पत्थरों का इस्तेमाल करके शवों को दफनाया जाता था।

14. कथन (A) : उत्तराखण्ड में शैव धर्म के सर्वाधिक उपासक है।
कथन (R) : शिव महापुराण में भगवान शिव को केदार क्षेत्र का स्वामी कहा गया है।
ऊपर दो कथन दिये गये हैं। इन दो कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिये।

(a) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है
(b) कारण (R) सही है, कथन (A) गलत है
(c) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं
(d) न कथन (A) सही है, न कारण (R) सही है

UKSSSC VDO 09/07/2023

Ans. (c) : सही कथन हैं–
(1) उत्तराखण्ड में शैव धर्म के सर्वाधिक उपासक है।
(2) शिव महापुराण में भगवान शिव को केदार क्षेत्र का स्वामी कहा गया है।

15. वर्ष 2024 में उत्तराखण्ड के किस क्षेत्र में शैलचित्र मिले हैं?

(a) ठढुंग (b) हुड़ोली
(c) बेरीनाग (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UKSSSC Stenographer personal Assit. 08/12/2024

Ans. (c) : वर्ष 2024 में उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिले के बेरीनाग क्षेत्र में प्रागैतिहासिक कालीन गुफा एवं शैलचित्र पाये गये हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार इन शैल चित्रों का काल 4000 से 6000 वर्ष पूर्व का है।

16. उत्तरकाशी का पौराणिक नाम क्या है–

(a) वाराणसी (b) सौम्यकाशी
(c) देवकाशी (d) उपर्युक्त कोई नहीं

UK Social Welfare Officer 21/06/2017

Ans. (b) : उत्तरकाशी गंगोत्री के मार्ग पर स्थित प्राचीन तीर्थ है। विश्वनाथ (भगवान शिव) के मंदिर के कारण ही इसका नाम उत्तरकाशी हुआ। इस सुरम्य एवं मनोरम स्थल को भगवान शंकर का निवास स्थान माना जाता है। कालांतर में इसे उत्तरकाशी कहा जाने लगा। केदारखंड एवं पुराणों में उत्तरकाशी के लिए 'बाड़ाहाट' शब्द का प्रयोग किया जाता है। पुराणों में इसे 'सौम्य काशी' भी कहा गया है।

17. उत्तराखण्ड का प्रथम उल्लेख किस धार्मिक ग्रन्थ में मिलता है?

(a) सामवेद में (b) अर्थर्ववेद में
(c) ऋग्वेद में (d) उपनिषद में

UK Abkari Constable 10/01/2022

Ans. (c) : उत्तराखण्ड को देवभूमि के रूप में प्रख्याति मिली हुई है, उत्तराखण्ड का पहला संदर्भ ऋग्वेद से आता है जहाँ इसका उल्लेख 'देवताओ के निवास' के रूप में आता है। उत्तराखण्ड का उल्लेख रामायण, महाभारत और पुराणों में भी आता है जहां इसे पुण्यभूमि, ऋषिभूमि और पवित्रभूमि के नाम से भी जाना जाता है।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा स्रोत गढ़वाल क्षेत्र के विषय में सूचनाएँ देता है?

(a) स्कन्दपुराण का केदारखण्ड
(b) महाभारत का वन पर्व
(c) वायु पुराण
(d) उपर्युक्त सभी

UK DEO Jr. Asst. (TC) 31/10/2021 Shift-I

Ans. (d) : गढ़वाल क्षेत्र के विषय में सूचनाएँ स्कन्दपुराण का केदारखण्ड, महाभारत का वन पर्व तथा वायु पुराण से प्राप्त होती है। अतः सभी विकल्प सही हैं। वैदिक काल में इस क्षेत्र को 'हेमवत', महाभारत में उत्तरकुरू तथा पुराणों में केदारखण्ड कहा गया है।

19. पौराणिक कथाओं के अनुसार, लोहाघाट का किला किसने बनवाया ?

(a) दानासुर (b) बाणासुर
(c) कृत्यासुर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UK Tubel Mac. 02/07/2017

Ans. (b) : पौराणिक कथाओं के अनुसार, लोहाघाट का किला बाणासुर ने बनवाया था। यह किला उत्तराखण्ड राज्य के चम्पावत जिले में स्थित है। यह अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे– देवीधार, मेले एवं होली रंग महोत्सव के लिये प्रसिद्ध है। तथा यहाँ की रामलीला, कुमाऊँ मंडल की सबसे पुरानी रामलीलाओं में से एक है।

20. महाभारत में उत्तराखण्ड का वर्णन किस रूप में हुआ है ?

(a) अर्थकुरु (b) विभक्ति कुरु
(c) उत्तरकुरु (d) नागकुरु

UK Hostel Wardern & VDO. etc 04/12/2021

Ans. (c) : महाभारत में उत्तराखण्ड का वर्णन उत्तरकुरु के रूप में हुआ है। उत्तराखण्ड का इतिहास, विशेषकर पौराणिक इतिहास बहुत गौरवपूर्ण रहा है। इसे उपनिषदों के संकलनकर्त्ताओं द्वारा उत्तरपंचल तथा वाल्मीकि द्वारा उत्तरकौशल के रूप में संदर्भित किया गया था। उत्तराखण्ड का प्रथम उल्लेख ऋग्वेद से प्राप्त होता है, जिसमें इस क्षेत्र को देवभूमि एवं मनीषियों की पूर्ण भूमि कहा गया है।

21. मोरध्वज प्रसिद्ध है–

(a) धार्मिक स्थल के रूप में
(b) पुरातात्विक स्थल के रूप में
(c) औद्योगिक केन्द्र के रूप में
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

UK Jail Bandi Rakshak 09/10/2016

Ans. (b) : मोरध्वज, पुरातात्विक स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ से मौर्य कालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए है जिसमें पकी हुई ईंटे, मृण्मूर्तियां, मनके, ताम्र चूड़ियां और मोरध्वज दुर्ग के पास शीगरी के बौद्ध स्तूप से बौद्ध मृण्मूर्तियां प्राप्त हुई है। ह्वेनसांग ने मौर्यो का मयूर नगर ही मोरध्वज के रूप में माना है।

22. प्राचीन साहित्य में कुमाऊँ क्षेत्र को जाना जाता था –

(a) केदारखण्ड (b) मानसखण्ड
(c) देवभूमि (d) पुण्य भूमि

UK Jr.Asst./Computer opreatar 09/01/2017

Ans. (b) : प्राचीन साहित्य में कुमाऊँ क्षेत्र को 'मानसखंड के नाम से जाना जाता है। कुमाऊँ शब्द की उत्पत्ति कूर्मांचल से हुयी है, जिसका अर्थ 'कूर्म का देश' होता है। कुमाऊँ के उत्तर में तिब्बत और दक्षिण में उत्तर प्रदेश हैं। इसके पूर्व में नेपाल और पश्चिम में गढ़वाल क्षेत्र स्थित है।

23. प्राचीन समय में निम्न में से कुब्जाम्रक के रूप में जाना जाता था ?

(a) ऋषिकेश (b) देवप्रयाग
(c) हरिद्वार (d) श्रीनगर

UK RO Exam 10/09/2016

Ans. (a) : प्राचीन काल में 'ऋषिकेश' को 'कुब्जाम्रक' के रूप में जाना जाता था। यह उत्तराखंड राज्य के देहरादून जिले के अंतर्गत आता है जिसे 'गेटवे टू गढ़वाल हिमालय' के नाम से भी जाना जाता है। टिहरी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यह शहर गंगा के पवित्र तट पर स्थित है।

24. कौन-सा पुरातात्विक स्थल गढ़वाल के तलहटी क्षेत्र है?

(a) पुरोला (b) मोरध्वज
(c) रतूड़ा (d) मलारी

UK Cartographer or Draftman 25/06/2017

Ans. (b) : मोरध्वज पुरातात्विक स्थल गढ़वाल के तलहटी क्षेत्र में स्थित है। गढ़वाल भारतीय राज्य उत्तराखंड के दो प्रशासनिक प्रभागों में से एक है। हिमालय में स्थित, यह उत्तर में तिब्बत से, पूर्व में कुमाऊं से, दक्षिण में उत्तर प्रदेश राज्य से और उत्तर पश्चिम में हिमाचल प्रदेश राज्य से घिरा है।

25. वैदिक कालीन उत्तराखण्ड में किस 'जन' का शासन था–

(a) पुरू (b) पांचाल
(c) अज (d) त्रित्सु

UK Jr. Assistant 28/10/2018

Ans. (d) : वैदिक काल में उत्तराखण्ड पर त्रित्सु जन का शासन था। वैदिक युग में राजा को गोपति कहा जाता था, जिसका अर्थ 'मवेशियों का स्वामी' है।

26. ऐतिहासिक स्थल लखु-उडियार किस नदी के तट पर स्थित है–

(a) कोसी (b) सुयाल
(c) गौला (d) गंगा

UK High Court Clerk 01/12/2019

Ans. (b) : लखु उडियार उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मण्डल में अल्मोड़ा-सेराघाट मार्ग पर एक प्राचीन गुफा है। यह सुयाल नदी के तट पर स्थित है। गुफा के भीतर एक विशाल चट्टान पर प्राचीन चित्र देखे जा सकते है। ये चित्र प्रागैतिहासिक काल में आदिमानवों द्वारा बनाये गए थे।

27. 20वीं सदी के प्रारम्भ में उत्तराखण्ड शैली के चित्रों की खोज किसने की थी–

(a) के0 एल0 मेहता ने (b) डी0टी0 राबर्टस् ने
(c) जे0 आर0 ग्रिग ने (d) बैरिस्टर मुकुन्दीलाल

UK High Court Clerk 01/12/2019

Ans. (d) : 20वीं सदी के प्रारम्भ में उत्तराखण्ड शैली के चित्रों की खोज बैरिस्टर मुकुन्दीलाल ने की थी। मुकुन्दी लाल उत्तराखण्ड के चमोली गढ़वाल जिले से थे। गढ़वाल के महान चित्रकार मोलाराम को देश दुनिया के सामने लाने का श्रेय मुकुन्दी लाल को जाता है। उन्होंने साल 1969 में भारत सरकार के प्रकाशन में 'गढ़वाल पेंटिंग्स' नामक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक का प्रकाशन किया। इन्होंने मौलाराम स्कूल ऑफ गढ़वाल की स्थापना की।

28. निम्नलिखित में से सुमेलित युग्म चुनें–

(a) सोमेश्वर मन्दि ताम्रपत्र – पंवार राजवंश
(b) हाटगांव ताम्रपत्र – चन्द्रवंश
(c) पाण्डुकेश्वर ताम्रपत्र – गोरखा वंश
(d) तालेश्वर ताम्रपत्र – पर्वताकार (ब्रह्मपुर) राज्य

UK ARO 29/12/2019

Ans. (d) : मध्य हिमालय के प्राचीन राज्य 'ब्रह्मपुर' के संबंध में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य तालेश्वर ताम्रपत्रों से प्राप्त होते है। यह ताम्रपत्र 20वीं शताब्दी के छठें दशक से प्राप्त हुए थे जो उत्तराखंड के इतिहास से एक और राजवंश 'पौरव' से जुड़े हुए है।

29. अशोक का 'कालसी अभिलेख' किस लिपि में लिखा गया है?

(a) खरोष्ठी (b) आरमेइक
(c) ब्राह्मी (d) देवनागरी

UKSSSC EO (GS) 2024

Ans. (c) : अशोक का कालसी अभिलेख की भाषा प्राकृत तथा लिपि ब्राह्मी थी। अशोक ने अपने शिलालेखों में चार लिपियों ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक और आरमेइक का प्रयोग किया। कालसी का अशोक के शिलालेखों में स्थान अद्वितीय है क्योंकि यह उत्तर भारत का एकमात्र स्थान है जहाँ महान मौर्य सम्राट ने चौदह शिलालेखों का समूह अंकित कराया।

30. किस ग्रंथ में उल्लेख है कि सुबाहु नरेश की राजधानी श्रीनगर थी?

(a) रामायण (b) महाभारत
(c) रघुवंश (d) ऋग्वेद

UKSSSC EO (GS) 2024

Ans. (b) : महर्षि वेद व्यास द्वारा लिखित महाभारत के वन पर्व में सुबाहु नरेश की राजधानी के रूप में श्रीनगर का वर्णन मिलता है।

31. प्रसिद्ध बाणासुर किला किस जिले में स्थित है–
(a) अल्मोड़ा (b) चमोली
(c) चंपावत (d) इनमें से कोई नहीं

UK High Court Clerk 08/02/2015

Ans. (c) : बाणासुर का किला लोहाघाट चंपावत के पास स्थित एक भव्य किला है। जिसके बारे में यह मान्यता है कि यह बाणासुर राक्षस की राजधानी थी। यह किला पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व भी रखता है, जिसे पौराणिक राजा बाली के हजार भुजाओं वाले पुत्र बाणासुर की याद में बनाया गया था, जिसका वध भगवान कृष्ण ने किया था।

32. स्कन्द पुराण में गढ़वाल को किस नाम से जाना जाता है-
(a) केदारखण्ड (b) कुर्मांचल
(c) जालंधर (d) गढ़देश

UK Forest Gaurd 25/10/2015

Ans. (a) : भारत के उत्तराखण्ड राज्य में कुल 13 जिले हैं जो तीन मंडलों में समूहित किए गए है।
1. कुमाऊँ मण्डल 2. गढ़वाल मण्डल 3. गैरसैंण मण्डल
उत्तराखण्ड का शाब्दिक अर्थ उत्तरी भाग होता है। स्कन्दपुराण में उत्तराखण्ड के अन्तर्गत गढ़वाल क्षेत्र को केदारखण्ड तथा कुमाऊँ क्षेत्र को मानस खण्ड कहा गया है।

33. निम्न में से कौन-सा ऐतिहासिक स्थल यमुना और मोदरगाड़ के संगम पर अवस्थित है ?
(a) कण्वाश्रम (b) बदरिकाश्रम
(c) लाखामण्डल (d) त्रिहरी

UK Jr. Assistant/DEO 06/05/2018

Ans. (c) : लाखामण्डल ऐतिहासिक स्थल यमुना और मोदरगाड़ के संगम पर अवस्थित है। यह जगह गुफाओं और भगवान शिव के मंदिर के अवशेषों से घिरा है और यहाँ पर खुदाई करते वक्त विभिन्न आकार के और भिन्न-भिन्न ऐतिहासिक काल के शिवलिंग मिले हैं। द्वापर युग में दुर्योधन ने पाँचों पांडवो और उनकी माता कुंती को जीवित जलाने के लिए यहाँ लाक्षागृह का निर्माण किया था।

34. वर्तमान चमोली जिले के किस गाँव में सन् 1956 ई. में महा पाषाणीय शवाधान खोजे गये?
(a) मलारी (b) कोषा
(c) कैलाशपुर (d) नीति

UK Forest Insp. Shift-I 16/02/2020

Ans. (a) : वर्तमान चमोली जिले के मलारी गाँव में सन् 1956 ई. में महापाषाणीय शवाधान खोजे गये। मलारी नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व की धौली गंगा घाटी में तिब्बत सीमा के पास एक छोटा सा गाँव है। इस क्षेत्र को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। यह उत्तराखंड के सबसे पुराने पुरातात्विक स्थलों में से एक है।

उत्तराखण्ड की प्राचीन जनजातियाँ

35. ''द खस फैमिली लॉ इन द हिमालयन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ द यूनाइटेड प्रोविंसेस, इंडिया'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(a) हेम चंद्र जोशी (b) सुमित्रा नंदन पंत
(c) मोहन उपरेती (d) डॉ. लक्ष्मी दत्त जोशी

UKSSSC Patwari & VDO Exam- 21.09.2025

Ans. (d) : ''द खस फैमिली लॉ इन द हिमालयन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ द यूनाइटेड प्रोविंसेस, इंडिया'' पुस्तक के लेखक डॉ. लक्ष्मी दत्त जोशी हैं। डॉ. लक्ष्मी दत्त जोशी उत्तराखंड के एक प्रसिद्ध विद्वान, समाजशास्त्री और प्रशासक थे। उनका मुख्य योगदान कुमाऊँ और गढ़वाल क्षेत्र की खस जनजाति के पारिवारिक कानून और सामाजिक संरचना के गहन अध्ययन के लिए जाना जाता है।

36. निम्नलिखित दो कथनों पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।
कथन-I : एटकिन्सन के अनुसार किरात, खस और नाग जातियाँ उसी रास्ते से भारत आए जिस रास्ते से आर्य आए थे।
कथन-II : कुछ ऐतिहासिक दावों के अनुसार, सबसे पहले किरात आए, फिर क्रमशः खस, नाग, हूण और यवन आए।
कूट:
(a) केवल कथन I सही है
(b) केवल कथन II सही है
(c) दोनों कथन I व II सही है
(d) दोनों कथन I व II गलत है

UK Police Constable Exam- 03.08.2025

Ans. (c) : एटकिन्सन के अनुसार किरात, खस और नाग जातियाँ उसी रास्ते से भारत आए जिस रास्ते से आर्य आए थे। कुछ ऐतिहासिक दावों के अनुसार, सबसे पहले किरात आए, फिर क्रमशः खस, नाग, हूण और यवन आए। ये दोनों कथन सत्य है।

37. 'पछावन' किस जनजाति समाज के लोक देवता हैं?
(a) जौनसारी (b) भोटिया
(c) थारू (d) राजी

UKPSC RO/ARO 04/05/2025

Ans. (c) : 'पछावन' थारू जनजाति का लोक देवता है। थारू जनजाति उत्तर भारत के तराई क्षेत्र उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और बिहार के पश्चिमी जिलों में निवास करती है। थारू जनजाति 'दीपावली को शोक' के रूप में मनाती है।

38. उत्तराखण्ड के किस जनजाति समूह को 'कुरी' कहा जाता है?
(a) थारू (b) राजी
(c) भोटिया (d) बुक्शा

UKPSC RO/ARO 04/05/2025

Ans. (c) : उत्तराखण्ड में पाई जाने वाली भोटिया जनजाति समूह को 'कूरी' कहा जाता है। भोटिया जनजाति के अन्दर 'कूरी' के साथ शौका, तोला, जोहारी उपसमूह भी शामिल हैं।

39. उत्तराखण्ड की किस जनजाति में 'कंडाली' त्योहार मनाने की परम्परा है?
(a) थारू (b) बोक्सा
(c) जौनसारी (d) शौका

UKPSC RO/ARO (Pre) 2024

Ans.(d): उत्तराखंड की शौका जनजाति में 'कंडाली' त्योहार मनाने की परंपरा है। कंडाली महोत्सव एक जीवंत उत्सव है, जो उत्तराखंड में शौका समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मार्शल भावना को दर्शाता है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में कंडाली उत्सव मनाया जाता है, जो कंडाली के पौधे के खिलने से जुड़ा है, जो हर बारह साल में एक बार खिलता है। यह त्योहार चौदस घाटी में अगस्त और अक्टूबर के बीच मनाया जाता है। यह सुंदर घाटी काली और धौली नदियों के बीच स्थित है।

40. निम्न में से किस जाति की गणना हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में नहीं की जाती है।
(a) गंधर्व (b) यक्ष
(c) किन्नर (d) शक

UKPSC Lower (Pre) 2021

Ans.(d): हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में शक की गणना नहीं की जाती है। ब्रह्म एवं वायुपुराण के अनुसार कुमाऊँ क्षेत्र में किरात, किन्नर, यक्ष, गंधर्व, विद्याधर, नाग आदि जातियाँ निवास करती थीं।

41. उत्तराखण्ड की किस जनजाति में 'कंडाली' त्योहार मनाने की परम्परा है?

(a) थारू (b) बोक्सा
(c) जौनसारी (d) शौका

UKPSC RO/ARO (Pre) 2024

Ans.(d): उत्तराखंड की शौका जनजाति में 'कंडाली' त्योहार मनाने की परंपरा है। कंडाली महोत्सव एक जीवंत उत्सव है, जो उत्तराखंड में शौका समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मार्शल भावना को दर्शाता है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में कंडाली उत्सव मनाया जाता है, जो कंडाली के पौधे के खिलने से जुड़ा है, जो हर बारह साल में एक बार खिलता है। यह त्योहार चौदस घाटी में अगस्त और अक्टूबर के बीच मनाया जाता है। यह सुंदर घाटी काली और धौली नदियों के बीच स्थित है।

42. निम्न में से किस जाति की गणना हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में नहीं की जाती है।

(a) गंधर्व (b) यक्ष
(c) किन्नर (d) शक

UKPSC Lower (Pre) 2021

Ans.(d): हिमालय की प्रागैतिहासिक जातियों में शक की गणना नहीं की जाती है। ब्रह्म एवं वायुपुराण के अनुसार कुमाऊँ क्षेत्र में किरात, किन्नर, यक्ष, गंधर्व, विद्याधर, नाग आदि जातियाँ निवास करती थीं।

43. निम्न जनजाति में से एक उत्तराखण्ड की नहीं है–

(a) भोटिया (b) थारू
(c) बोक्सा (d) नागा

UKPSC Jail Warders 2022
UKPSC AFO (Pre) 2012

Ans.(d): उत्तराखण्ड में मुख्य रूप से थारू जनजाति, जौनसारी, भोटिया जनजाति, बोक्सा जनजाति, राजी/वनरौत जनजाति निवास करती हैं। जिन्हें 1967 में ही भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया था। नागा जनजाति पूर्वोत्तर भारतीय क्षेत्र तथा म्यांमार के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में पायी जाती है। भारत में ये नागालैण्ड राज्य में बहुसंख्यक हैं।

44. निम्न में से कौन सी अनुसूचित जनजाति मूलतः उत्तराखण्ड में निवास नहीं करती थी?

(a) बोक्सा (b) भोटिया
(c) मीणा (d) थारू

UKPSC AFO (Pre) 2012

Ans.(c): उत्तराखण्ड में निवासरत् भोटिया, थारू, जौनसारी, बोक्सा एवं राजी को वर्ष 1967से सरकार ने अनुसूचित जनजाति घोषित किया है। मीणा मुख्यतः राजस्थान में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति है। मीणा जाति भारतवर्ष की प्राचीनतम जनजातियों में से एक मानी जाती है।

45. उत्तराखण्ड का प्रथम ''नृजातीय समूह'' किसे माना जाता है?

(a) कोल (b) कुनिन्द (c) बनराजि (d) हूंण

UKPSC Lower (Pre) 2016

Ans.(a): उत्तराखण्ड का प्रथम नृजातीय समूह कोल को माना जाता है।

46. निम्नलिखित में से कौन-सी एक रस्म थारू जनजाति विवाह परंपरा की नहीं है?

(a) अपना-पराया (b) बात-कट्टी
(c) चाला (d) पक्की-पौड़ी

UKPSC Revenue Inspector 2023

Ans.(*): उपर्युक्त विकल्पों में चारों विकल्प थारू जनजाति विवाह परम्परा की रस्म से सम्बन्धित हैं।

- विवाह की सगाई रस्म को इनमें अपना-पराया कहा जाता है।
- लड़के पक्ष के लोग 10-15 दिन पूर्व लड़की के घर जाकर विवाह की तिथि निश्चित करते हैं। इस रस्म को बात-कट्टी कहा जाता है।
- विवाह के दो-तीन माह बाद लड़की स्थाई रूप से अपने घर जाती है, इस रस्म को चाला कहते हैं।
- दोनों पक्षों की ओर से विवाह तय कर लिए जाने को पक्की-पोढ़ी कहते हैं।

अतः स्पष्ट है कि चारों विकल्प थारू जनजाति की विवाह परम्परा से सम्बन्धित हैं।

47. 'धियान्ती' और 'रैयान्ती' का सम्बंध है :

(a) थारू से (b) जौनसारी से
(c) जाड़ से (d) भोटिया से

UKPSC CFO Exam-2021
UK CGL 05/12/2021 Sift-3

Ans.(b): ध्यांति और रमान्ती का सम्बन्ध उत्तराखण्ड के जौनसारी जनजाति से है। पितृ गृह में लड़की को ध्यान्ति तथा विवाहोपरान्त लड़की को रैयान्ती कहा जाता है।

48. उत्तराखण्ड की निम्नलिखित जनजाति में कौन 'बाघनाथ' देवता की पूजा करती है?

(a) थारू (b) भोटिया
(c) राजी (d) जौनसारी

UKPSC Regional Inspector -2022
UKPSC Vyawasthapak Exam-2021

Ans.(c): राजी जनजाति के लोगों का विश्वास है कि देवी-देवता पहाड़ों की चोटियों, नदी, तालाबों और कुओं में रहते हैं। ये बाघनाथ, मलैनाथ, गणनाय सैन, मलिकार्जुन, नंदा देवी आदि देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। इनके मुख्य देवता बाघनाथ हैं। ये जनजाति हिन्दू धर्म को मानती है।

49. निम्नलिखित को सुमेलित कर सही उत्तर चुनिए–

अनुसूचित जनजाति	तहसील
A. शौका	खटीमा
B. जौनसारी	धारचूला
C. राजी	चकराता
D. थारू	डीडीहाट

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	1	2	3
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	4	1

UK PSC (APO) Exam-2021

Ans.(d): सही सुमेलन इस प्रकार है–

अनुसूचित जनजाति -		**सम्बन्धित तहसील**
शौका	-	धारचूला
जौनसारी	-	चकराता
राजी	-	डीडीहाट
थारू	-	खटीमा

50. रंग बंग की प्रथा निम्न में से किस जनजाति में प्रचलित रही है?

(a) बुक्सा (b) भोटिया
(c) जौनसारी (d) थारू

UK PSC Regional Inspector Exam- 2022

Ans.(b): भोटिया जनजाति में पहले युवा गृहों (रंग-बंग)का प्रचलन था। गांव के बाहर एक अलग गृह बनाया जाता था, जिसमें रात्रि काल में गांव के सभी अविवाहित युवक-युवतियाँ नृत्य व गीत आदि के माध्यम से मनोरंजन व विचारों का आदान-प्रदान करते थे।

51. 'मुण्ड' तथा 'शबर' नाम से भी जानी जाने वाली कुमाऊँ की प्राचीन जाति है –

(a) किरात (b) खस
(c) जौनसारी (d) कोल

UK Forest Gaurd Shift-II 16/02/2020

Ans. (d) : 'मुण्ड' तथा 'शबर' नाम से कोल जनजाति जानी जाती है। यह उत्तराखण्ड के कुमाऊँ जिले की एक प्राचीन जाति है। कोल कुमाऊँ समाज के बुनकर संप्रदाय से संबंधित थे। कोल जनजाति के लोग आस्ट्रो-एशियाई व द्रविड़ भाषा बोलते है।

52. किस जनजाति द्वारा ऋतु प्रवास किया जाता है –

(a) थारू (b) बोक्सा
(c) भोटिया (d) राजी

UK office Asst. / Computer Operator 14/02/2016

Ans. (c) : भोटिया जनजाति द्वारा ऋतु प्रवास किया जाता है। भोटिया लोग उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल और कुमाऊँ मंडल में निवास करते हैं। ऋतु प्रवास का आशय मौसम के हिसाब से आवास में बदलाव करना। सामान्यतः यह एक तरह का पशुचारण या खानाबदोश जीवन है।

53. थारू जनजाति के लोग स्वयं को वंशज मानते हैं।

(a) गौतम बुद्ध का (b) रणजीत सिंह का
(c) अकबर का (d) राणा प्रताप का

UK DEO Jr. Asst. TC Exam 31/10/2021

Ans. (d) : थारू जनजाति के लोग स्वयं को राणाप्रताप का वंशज मानते हैं। राजस्थान के थार मरुस्थल से आकर ये लोग उत्तराखण्ड में बसे थे। सामान्यतः थारूओं को किरात वंश का माना जाता है। ये लोग सामान्यतः कद में छोटे, पीत वर्ण, चौड़ी मुखाकृति तथा समतल नासिका वाले होते हैं। यह जनजाति मंगोल प्रजाति के अत्यधिक निकट है।

54. 'शौका' समुदाय को किस एक अन्य नाम से भी जाना जाता है?

(a) भोटिया (b) जौनसारी
(c) थारू (d) राजी

UK DEO Jr. Asst. TC Exam 31/10/2021

Ans. (a) : शौका समुदाय को भोटिया नाम से भी जाना जाता है। किराती-भील वंशीय भोटिया एक अर्द्धघुमंतू जनजाति है। ये लोग अपने को खस राजपूत कहते हैं। इन्हें मारछा, तोलछा, जोहारी, दरमिया, चौदासी, व्यासी, जाड, जेठरा व छापड़ा (बखरिया) आदि उपजातीय नामों से जाना जाता है। भोटिया जनजाति राज्य के उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा आदि जिलों में पायी जाती है।

55. 'थारु' जनजाति मुख्यतः किस जनपद में निवास करती है?

(a) नैनीताल (b) पिथौरागढ़
(c) हरिद्वार (d) ऊधम सिंह नगर

UKSSSC Camaraman/ T.V. Tech. 29/04/2018

Ans.(*): थारु जनजाति उत्तराखंड के नैनीताल और ऊधम सिंह नगर जिले में निवास करती है। थारु जनजाति नेपाल और भारत के सीमावर्ती तराई क्षेत्र में पायी जाती है। दीपावली को थारु जनजाति 'शोक पर्व' के रूप में मनाते हैं।

56. 'सयाणा' एवं 'खुमरी' व्यवस्था किस जनजाति में प्रचलित हैं?

(a) थारु (b) बुक्सा
(c) राजी (d) जौनसारी

UK DEO Jr. Asst. (TC) 31/10/2021 Shift-I

Ans. (d) : 'सयाणा' और 'खुमरी' व्यवस्था जौनसारी जनजाति में प्रचलित है, जौनसारी जनजाति के छोटे क्षेत्रों के मुखिया को ''सयाणा'' कहा जाता है, सयाणा के समूह को 'खुमरी' कहा जाता है। जौनसारी लोग देहरादून के पास भाबर क्षेत्र में रहते हैं। जौनसारी जनजाति गढ़वाल की प्रमुख जनजातियों में से एक है, इनका मुख्य व्यवसाय कृषि है।

57. उत्तराखण्ड में अधिकांश थारू जनसंख्या का संकेन्द्रण निम्न में कहाँ है ?

(a) देहरादून (b) ऊधम सिंह नगर
(c) नैनीताल (d) हरिद्वार

UK Tubel Mac. 02/07/2017

Ans. (b) : उत्तराखंड में अधिकांश थारू जनसंख्या का संकेन्द्रण ऊधम सिंह नगर जिले में है, थारू नेपाल और भारत के सीमावर्ती तराई क्षेत्र में रहने वाली एक जनजाति है। थारू लोग हिन्दू धर्म मानते हैं और हिन्दुओं के सभी त्योहार मनाते हैं।

58. निम्नलिखित में से एक समूह नृत्य है -

(a) झोड़ा (b) चांचरी
(c) छपेली (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

UK Forest Guard 14/02/2024

Ans. (a) : झोरा एक समूह नृत्य है। यह उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है। लंगवीर नृत्य, छोलिया, सांपू, चांचरी तथा झुमैलो नृत्य उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक नृत्य हैं। झोड़ा नृत्य में महिलाएँ और पुरुष समूह में हाथ पकड़कर गोल घेरे में गाते और नृत्य करते हैं।

59. स्कॉटलैंड का कौन-सा संगीत वाद्य यंत्र उत्तराखण्ड की संस्कृति में समाहित है ?

(a) बाँसुरी (b) मशकबीन
(c) हुड़का (d) ढ़ोल

UK Ameen 11/06/2017

Ans. (b) : स्कॉटलैंड का मशकबीन संगीत वाद्य यंत्र उत्तराखंड की संस्कृति में समाहित है, इसे स्थानीय भाषा में 'मशकबीन' या 'मसक बाजा' कहते हैं। ब्रिटिश काल के दौरान बैगपाइपर (मशकबीन) को उत्तराखंड के लोक संगीत में शामिल किया गया। उत्तराखंड के प्रसिद्ध वाद्ययंत्र दममा, हुड़का, तुरतुरी, बिनाई और बाँसुरी संगीत वाद्ययंत्र हैं।

60. **निम्न में से उत्तराखण्ड में अधिकतम जनसंख्या किस अनुसूचित जनजाति समूह की है ?**
(a) थारु (b) बोक्सा
(c) भोटिया (d) राजी
UK Ameen 11/06/2017

Ans. (a) : उत्तराखंड में अधिकतम जनसंख्या थारु अनुसूचित जनजाति समूह की है। इस राज्य की प्रमुख जनजाति समूहों में जौनसारी, राजी, बुक्सा और भोटिया भी शामिल हैं। उत्तराखंड में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 17.50% और जनजाति की जनसंख्या 3% है।

61. **गढ़वाल का प्रथम नृजातीय समूह किसे माना जाता है?**
(a) कोल (b) कुणिंद
(c) बन राजि (d) हूण
UK Forest Guard 14/02/2024

Ans. (a) : गढ़वाल का प्रथम नृजातीय समूह कोल को माना जाता है। गढ़वाल राज्य की स्थापना 823 ई. में हुई थी, इस राज्य पर कत्यूरी राजवंश (8वीं-11वीं शताब्दी), चंद राजवंश (14वीं-15वीं शताब्दी) और शाह राजवंश (1815-1949 ई.) ने शासन किया।

कुणिन्द एवं यौधेय

62. **उत्तराखण्ड में प्राप्त सबसे प्राचीन अभिलेख निम्नांकित में से कौन-सा है?**
(a) बैजनाथ (b) पलेठी
(c) कालसी (d) पाण्डुकेश्वर
UKPSC Jail Worden 2122
UKPSC ACF (Pre) 2121

Ans.(c): उत्तराखण्ड से सबसे प्राचीन कालसी अभिलेख (देहरादून) से प्राप्त हुआ है। यह अभिलेख महान सम्राट अशोक के चौदह अभिलेखों में से एक है। इस अभिलेखों की भाषा पाली एवं लिपि ब्राह्मी है। जिसमें अशोक के आंतरिक प्रशासन एवं मानवीय विषयों का वर्णन किया गया है।

63. **कुणिन्द वंश का सबसे प्रतापी शासक कौन था?**
(a) चत्रेश्वर (b) गणपति नाग
(c) शिवदत्त (d) अमोघभूति
UKPSC RO/ARO (Pre) 2024

Ans.(d): कुणिंद राजवंश उत्तराखंड में शासन करने वाला प्रथम प्राचीन राजवंश था। जिसका प्रारंभिक समय ऋग्वैदिक काल से माना जाता है। रामायण के किष्किन्धा काण्ड में कुणिंदों की जानकारी मिलती है और विष्णु पुराण में कुणिंद को कुणिंद पल्सकस्य कहा गया है।
अमोघभूति को कुणिंद वंश का सर्वाधिक प्रतापी शासक माना जाता है। जब-जब किसी प्रतापी शासक का उल्लेख किया जाता है, तो उससे संबंधित मुद्राओं का उल्लेख/वर्णन अवश्य मिलता है। अमोघभूति ने अपने शासनकाल में सर्वाधिक सिक्कों का निर्माण कराया था, जिसके आधार पर इतिहासकारों ने अमोघभूति को कुणिंद वंश का प्रतापी शासक कहा है, क्योंकि सर्वाधिक सिक्के मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाते हैं।

64. **उत्तराखण्ड में 'चित्रेश्वर' प्रकार के सिक्के किसने निर्गत किए?**
(a) कत्यूरी (b) कुणिन्द
(c) चन्द (d) परमार
UK PSC (Pre) 2024

Ans. (b) : उत्तराखण्ड में चित्रेश्वर प्रकार के सिक्के कुणिन्द्र राजवंश ने निर्गत किये थे। कुणिन्द वंश का सबसे शक्तिशाली शासक अमोधमूर्ति था। इसकी मुद्राएं पश्चिम में व्यास नदी से लेकर अलकनन्दा नदी तक तथा दक्षिण में सुनेत (लुधियाना) एवं बेहत (सहारनपुर) तक से प्राप्त हुई है। इन मुद्राओं के अग्र भाग पद पर देवी एवं मृग का अंकन है तथा इसकी लिपि ब्राह्मी-खरोष्ठि है। अल्मोड़ा सिक्कों से अनुमानतः 8 कुणिन्द शासकों के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। कुणिन्दों के कुल देवता छत्रेश्वर का तादात्मय भगवान शिव से स्थापित किया जाता है।

65. **पुरोला में उत्खनित यज्ञ वेदिका स्थल पर किस वंश से सम्बन्धित ताँबे का सिक्का प्राप्त हुआ है ?**
(a) कत्यूरी (b) कुषाण
(c) पौरव वर्मन (d) कुणिन्द
UKPSC ACF (Pre) 2021

Ans.(d): पुरोला में उत्खनित यज्ञ वेदिका स्थल से 'कुणिन्द' वंश के ताँबे के सिक्के प्राप्त हुए हैं। पुरोला उत्तरकाशी जनपद में स्थित एक प्राचीन स्थल है जो 'कमल नदी' के बाएं किनारे पर स्थित है। यहाँ के उत्खनन से अन्य ऐतिहासिक सामग्री जैसे पेंटेड ग्रे वेयर के अवशेष, टेराकोटा की मूर्तियां, कुम्हार स्टैम्प, पालतू घोड़े के दंत आदि प्राप्त हुए हैं।

66. **उत्तराखण्ड पर शासन करने वाले प्रथम राजनीतिक वंश था–**
(a) (परमार) (b) (कत्यूरी)
(c) (कुणिन्द) (d) (गोरखा)
UKPSC AFO (Pre) 2012

Ans.(c): विभिन्न स्रोतों से ज्ञात होता है कि कुणिन्द उत्तराखण्ड पर शासन करने वाले प्रथम राजनीतिक वंश था। उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में लगभग 6वीं शर्दी ई.पू. से तीसरी-चौथी ई. तक कई शाखाओं का शासन रहा। कुणिन्द वंश का सबसे शक्तिशाली शासक अमोघमूर्ति था। इसकी रजत एवं ताम्र मुद्राएं पश्चिम में व्यास से लेकर अलकनन्दा तक तथा दक्षिण में सुनेत (लुधियाना) तथा बेहत (सहारनपुर) तक प्राप्त हुई हैं।

67. **कुणिन्द मुद्राएँ प्राप्त हुईः**
(a) थत्यूड़ (टिहरी गढ़वाल) (b) देवढुंगा (उत्तरकाशी)
(c) कत्यूर घाटी (कुमाऊँ) (d) इन सभी स्थलों में
UKSSSC Pravakta (Pre) 2021

Ans. (c) : कुणिन्द मुद्रायें उत्तराखण्ड राज्य के अल्मोड़ा जनपद के कत्यूर घाटी (कुमाऊँ) से सबसे पहले प्राप्त है। इन मुद्राओं को अल्मोड़ा सिक्के भी कहा जाता है, जो हिमालय में प्रचलित होने वाली पहली मुद्रायें थी।

68. **अल्मोड़ मुद्राएँ संबंधित हैं :**
(a) कुणिन्द राजवंश से (b) पौरव राजवंश से
(c) वर्मन राजवंश से (d) कत्यूरी राजवंश से
UK Forest Guard 14/02/2024

Ans. (a) : अल्मोड़ा मुद्राएं कुणिन्द राजवंश से संबंधित हैं, जो ताबें की बनी हुई है। इन मुद्राओं पर नारी, चक्र, नाग, मृग, स्वास्तिक चिह्न, वृक्ष तथा कलश जैसे चित्र बने है।

69. **'छांग्लेश की प्रशस्ति' प्राप्त हुई–**
(a) तालेश्वर से (b) लाखामण्डल से
(c) बाड़ाहाट से (d) उपरोक्त में कोई नहीं
UK Forest Insp. Shift-I 16/02/2020

Ans. (b) : यमुना नदी के उत्तरी छोर पर स्थित देहरादून जिले के जौनसार बावर का लाखामंडल गाँव ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। लाखामंडल की प्राचीनता को कौरव-पांडवों से जोड़कर देखा जाता है। यहाँ से प्राप्त अभिलेखों में छांग्लेश एवं राजकुमारी ईश्वरा की प्रशास्ति (पाँचवी-छठी सदी) का उल्लेख हुआ है।

70. निम्नांकित में से कौन कुणिन्द नरेशों से सम्बन्धित है–

(a) विग्रहराज – पृथ्वीराज (b) धनभूति – अमोघभूति
(c) कृष्णदेवाराय – रामराज (d) अशोकच्चल – क्राचल्ल

UK ARO 29/12/2019

Ans. (b) : अमोघभूति–धनभूति का संबंध हिमालयी क्षेत्रों के शासकों कुणिंद से था, अमोघभूमि कुणिंद वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था।

71. 'कुणिन्द राजवंश' से सम्बन्धित है–

(a) देहरादून मुद्राएँ (b) बद्री मुद्राएँ
(c) केदार मुद्राएँ (d) अल्मोड़ा मुद्राएँ

UK Lab Asst. (Phy.) 17/01/2016

Ans. (d) : अल्मोड़ा मुद्राएँ, कुणिन्द राजवंश से सम्बन्धित हैं। कुणिंदो ने उत्तराखण्ड में लगभग 1500 ईसा पूर्व से 300 ईसा पूर्व तक शासन किया था। प्रारंभिक कुणिन्द शासकों ने शांतिप्रिय शासन व्यवस्था को अपना आधार बनाया अपनी राज्य की सीमा का विस्तार करने की अपेक्षा पहाड़ों पर ही सुव्यवस्थित शासन को बनाए रखा।

72. कालसी के समीप राजा शीलवर्मन से संबंधित ऐतिहासिक स्थान कहाँ है?

(a) किल्लौर (b) जगतग्राम
(c) अमराहा (d) कटापत्थर

UK DEO Jr. Asst. TC Exam 31/10/2021

Ans. (b) : कालसी के समीप राजा शीलवर्मन से संबंधित ऐतिहासिक स्थान जगतग्राम है। यह ऐतिहासिक स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा सन् 1952 से 1954 के बीच किए गए उत्खनन के बाद प्रकाश में आया था। उत्खनन में पक्की ईंटों से निर्मित तीसरी शताब्दी की तीन यज्ञ वेदिकाओं का पता चला। जगतग्राम बाड़वाला में शीलवर्मन ने चार अश्वमेघ यज्ञ किया था।

73. कुणिन्द मुद्राओं का किस लिपि में अंकन हुआ है?

(a) खरोष्टी (b) ब्राह्मी
(c) दोनों (a) और (b) (d) देवनागरी

UK Secrctarial Guard 26/09/2021

Ans. (c) : कुणिन्द मुद्राओं पर खरोष्ठी एवं ब्राह्मी लिपि में अंकन हुआ है। अमोघभूति को कुणिंद वंश का सर्वाधिक प्रतापी शासक माना जाता है। इसने रजत (चाँदी) और ताँबे की मुद्राओं का निर्माण कराया था। इन सिक्कों में खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि में 'राजः कुणिन्दस्य अमोघभूति' लिखवाया। सिक्कों के दूसरी तरफ शिव नंदी त्रिशूल की छाप बनवायी। अमोघभूति के सिक्कों पर यूनानी शैली का प्रभाव देखने को मिलता है।

74. उत्तराखण्ड पर शासन करने वाली प्रथम राजनीतिक शक्ति 'कुणिन्द' समकालीन थे :

(a) गुप्तों के (b) मौर्यों के
(c) कुषाणों के (d) शकों के

UK ADO Exam 28/01/2018

Ans. (d) : उत्तराखण्ड पर शासन करने वाली प्रथम राजनीतिक शक्ति कुणिन्द राजवंश (1500 ई.पूर्व – 200 ई.) था। इनका साम्राज्य मूलतः गंगा-यमुना का दोआब क्षेत्र था। इनकी प्रारम्भिक राजधानी कालकूट (कालसी) तथा धर्म-शैव एवं बौद्ध था। कुणिन्द वंश का संस्थापक अमोघभूति था। यह शकों के समकालीन थे।

75. 'कालसी अभिलेख' उत्तराखण्ड के किस जनपद में स्थित है ?

(a) उत्तरकाशी (b) देहरादून
(c) चमोली (d) पौड़ी

UK Asst. Agri. Officer-III 10/01/2017

Ans. (b) : कालसी अभिलेख मौर्यकालीन सम्राट अशोक का शिलालेख है। ये शिलालेख लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का है। इस शिलालेख की भाषा प्राकृत एवं लिपि ब्राह्मी है। ये शिलालेख यमुना नदी के किनारे स्थित है। कालसी शिलालेख उत्तराखण्ड राज्य के देहरादून जिले के चकराता के पास स्थित है।

76. निम्नलिखित में से किस राजवंश का वर्णन पाणिनी की अष्टाध्यायी में मिला है?

(a) कुषाण (b) कुणिन्द
(c) परमार (d) कत्यूरी

UK Machine Helper 09/06/2019

Ans. (b) : कुणिंद राजवंश उत्तराखंड में शासन करने वाला प्रथम प्राचीन राजवंश है। जिसका प्रारंभिक समय ऋग्वैदिक काल से माना जाता है। रामायण के किष्किंधा कांड में कुणिंदो की जानकारी मिलती है और विष्णु पुराण में कुणिंद को कुणिंद पल्यकस्य कहा गया है। पाणिनी की रचना अष्टाध्यायी में कुणिंदों को कुलुन कहा गया है।

कार्तिकेयपुर राजवंश

77. 'गढ़वाल समाचार' का प्रकाशन किस वर्ष प्रारंभ हुआ?

(a) सन् 1900 ई. (b) सन् 1902 ई.
(c) सन् 1908 ई. (d) सन् 1918 ई.

UK jail Worden 2022
UKPSC AFO (Pre) 2015

Ans.(b): गढ़वाल समाचार का प्रकाशन 1902 ई. में प्रारम्भ हुआ। 1902 से 1904 तक लैंसडाउन से गिरिजा दत्त नैथाणी द्वारा संपादित मासिक पत्र गढ़वाल से निकलने वाला पहला हिन्दी अखबार था।

78. शीलवर्मन की अश्वमेध यज्ञ वेदिका किस स्थान से प्राप्त हुई?

(a) लाखामण्डल (b) बाड़वाला
(c) पुरोला (d) कोटद्वार

UKPSC RO/ARO (Mains) 2023

Ans.(b) : उत्तराखण्ड के देहरादून मिले के बाड़वाला गांव में शीलवर्मन की अश्वमेघ यज्ञ वेदिका मिली थी। यह वेदिका गरुड के आकार की है। इस वेदिका के अवशेषों के आधार पर पता चलता है कि तीसरी शताब्दी में राजा शीलवर्मन ने यहां अश्वमेघ यज्ञ किया था। बाड़वाला जगत ग्राम स्थित तीसरी शताब्दी के अश्वमेघ यज्ञ स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन है।

79. निम्नलिखित में से उत्तराखण्ड के किस राजवंश का वर्णन ह्वेनसांग करता है?

(a) कत्यूरी (b) पौरव
(c) चन्द (d) परमार

UKPSC Junior Assistant 2022

Ans.(b): उत्तराखण्ड के पौरव राजवंश का वर्णन ह्वेनसांग करता है। अल्मोड़ा जनपद के तालेश्वर नामक (वर्तमान पिथौरागढ़) स्थान से तांबे एवं अष्टधातु के अभिलेख प्राप्त हुए हैं, जिनमें यह उल्लेख मिलता है कि छठी शताब्दी में ब्रह्मपुर में पौरवों का शासन था।